महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में विश्व हिंदी दिवस-सह-राजभाषा सेमिनार सम्पन्न

दिनांक 10.01.2016 को महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर राजभाषा सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री ए. के. झा, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमसीएल ने की। इस अवसर पर एमसीएल के निदेशक(तकनीकी/संचालन) श्री ए.के. तिवारी, निदेशक (तकनीकी/योजना व परियोजना) श्री जे.पी. सिंह एवं निदेशक(कार्मिक) श्री पी.सी. पाणिग्राही सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में प्रोफेसर के. पी. गुप्ता,पूर्व विभागाध्यक्ष(हिंदी),गंगाधर मेहेर कॉलेज,संबलपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, बतौर विशिष्ट वक्ता डॉ. शंकरलाल पुरोहित,विभागाध्यक्ष(हिंदी),बीजेबी कॉलेज, भुवनेश्वर एवं तकनीकी वक्ता श्री हरिराम पंसारी, वरिष्ठ प्रबंधक(राजभाषा),नालको उपस्थित हुए। इनके अलावा श्री एन.के. ओझा, उप महाप्रबंधक (का./कौशल विकास)-सह-सर्वकार्यभारी अधिकारी एवं डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा,हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना,गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा मुख्यालय तथा क्षेत्रों के मुख्य महाप्रबंधक।महाप्रबंधक,विभागाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय मुख्य नामित राजभाषा अधिकारीगण/नामित राजभाषा अधिकारीगण कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

मंगलदीप प्रज्जवलन के साथ सेमिनार प्रारंभ हुआ। श्री बी.सी.त्रिपाठी, महाप्रबंधक(प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान एवं राजभाषा), एमसीएल द्वारा अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया गया एवं राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के संबंध में अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए। श्री बी.आर.साहू,वरिष्ठ अधिकारी(राजभाषा) ने कार्यक्रम का संचालन किया।

अध्यक्ष महोदय एवं निदेशकगण द्वारा अतिथियों को शॉल,श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष महोदय ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। राष्ट्र की मजबूती के लिए हमारी राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा की मजबूती आवश्यक है। हमें दैनन्दिन जीवन में चाहे कार्यालयीन कार्य हो अथवा आपसी संवाद हो, अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। हिंदी के विकास में डिजीटल माध्यम का सक्रिय योगदान है, इससे हिंदी को ग्रहण करने में और आसानी हुई है। हिंदी आज विश्व भाषा के रूप में अपना अहम स्थान बना लिया है। नि:सन्देह एक दिन यह संयुक्त राष्ट्रसंघ की भाषा बनेगी।

विशिष्ट अतिथि प्रो. गुप्ता ने राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी देशवासियों को हिंदी के विकास एवं अपने कार्यों में इसके प्रयोग को महत्व देना चाहिए। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की अहमियत को हमें समझना चाहिए तभी तो इसे विश्व भाषा बनाने का हमारा दावा और अधिक कारगर होगा। अंत में उन्होंने स्वरचित हिंदी रुवाइयां भी प्रस्तुत की।

विशिष्ट वक्ता डॉ. पुरोहित ने कहा कि हिंदी क्रमश: विकसित हुई है एवं होती रहेगी। हमें प्रान्तीय भाषा के शब्दों को भी साथ लेकर चलना है। भाषा बहता नीर है। गैर-जरूरी शब्द अथवा जिसका प्रयोग कम या नहीं के बराबर होता है वह पीछे छूट जाता है। आगे उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा के निहित गुणों के कारण विदेशों ने भी स्वीकार किया है कि यह विश्व भाषा बनने में सक्षम है। वर्तमान में हिंदी में कार्य करने तथा इसे विकसित करने हेतु सारी मूलभूत सुविधाएं हमोर पास उपलब्ध हैं, इसके वृहद शब्द भंडार हैं, अत: मेरे विचार से हिंदी बहुत जल्द संयुक्त राष्ट्रसंघ में अपना स्थान पाएगी। हम सभी भारतवासियों को इसका अधिक से अधिक प्रयोग करने की आवश्यकता है।

तकनीकीविद श्री पंसारी ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से हिंदी भाषा के विविध प्रयोग के बारे में जानकारी दी तथा केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न हिंदी साइटों,सॉफ्टवेयरों तथा इसके विभिन्न प्रयोग के बारे सविस्तार बताया।

श्री बी. आर. साहू कलिहारी,वरिष्ठ अधिकारी(सचिवीय/राजभाषा) ने आमंत्रित अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

MCL
विश्व हिन्दी दिवस-सह-राजभाषा सेमिनार
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड

पी. सी. पाणिग्राही
निदेशक(कार्मिक)